



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

वसाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 389]

नई दिल्ली, शुक्रवार, अगस्त 18, 1978/श्रावण 27, 1900

No. 389]

NEW DELHI, FRIDAY, AUGUST 18, 1978/SRAVANA 27, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 18 अगस्त, 1978

का० प्रा० 507(अ) :—मैसर्स राय बहादुर हुरदुतुराय मोती लाल जूट मिल प्राइवेट लिमिटेड, 68, कॉटन स्ट्रीट, कलकत्ता (जिसे इसमें आगे उक्त औद्योगिक उपक्रम कहा गया है) अनुसूचित उद्योग अर्थात् जूट उद्योग में लगा हुआ है;

और उक्त औद्योगिक उपक्रम की बाबत, केन्द्रीय सरकार का अपने कर्जों में के दस्तावेजों और अन्य साधन से यह समाधान हो गया है कि वह कम से कम तीन मास से (उक्त औद्योगिक उपक्रम पर स्वाभिव्यक्त रखने वाली कम्पनी के स्वतः समापन के कारण या किसी अन्य कारण से) बन्द पड़ा है और उसके इस प्रकार बन्द पड़े रहने से सम्बद्ध अनुसूचित उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है और वह कि उक्त औद्योगिक उपक्रम पर स्वाभिव्यक्त रखने वाली कम्पनी की वित्तीय स्थिति और प्लांट और उक्त उपक्रम की मशीनरी की स्थिति ऐसी है कि उपक्रम की पुनः प्रारम्भ करना सम्भव है और इस प्रकार पुनः चलाना सामान्य लोक हित में आवश्यक है;

अतः, अब, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 66) की धारा 18 कक की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री सी० धार० वेकटरामन्, आयुक्त, कोसी खण्ड, बिहार सरकार, को (जिसे इसमें आगे

प्राधिकृत व्यक्ति कहा गया है) सम्पूर्ण औद्योगिक उपक्रम का प्रबंध निम्नलिखित निबन्धनों और शर्तों पर ग्रहण करने के लिए प्राधिकृत करती है, अर्थात् :—

(1) प्राधिकृत व्यक्ति केन्द्रीय सरकार द्वारा समय पर जारी किए गए सभी निर्देशों का पालन करेगा;

(2) प्राधिकृत व्यक्ति इस आदेश के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए पद धारण करेगा;

(3) केन्द्रीय सरकार प्राधिकृत व्यक्ति की नियुक्ति इससे पूर्व भी समाप्त कर सकेगी यदि ऐसा करना बहु आवश्यक समझे।

2. यह आदेश राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से तीन वर्ष की अवधि के लिए प्रभावी रहेगा।

[काइल नं० 20/15/76-जूट]

एन०एच० वैद्यनाथन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 18th August, 1978

S.O. 507(E).—Whereas Messrs Rai Bahadur Hurdutroy Motilal Jute Mills Private Limited, 68, Cotton Street,

(985)

520 GI/78

Calcutta-7, (hereinafter referred to as the said industrial under-taking), is engaged in a schedule industry, namely, Jute Industry ;

And whereas from the documentary and other evidence in its possession, the Central Government is satisfied, in relation to the said industrial undertaking, that it has been closed for a period of not less than three months and such closure is prejudicial to the concerned scheduled industry and that the financial condition of the company owning the industrial undertaking and the condition of the plant and machinery of such undertaking are such that it is possible to re-start the undertaking and such re-starting is necessary in the interests of the general public ;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby authorises Shri C. R. Venkataraman, Commissioner, Kosi Division, Government of Bihar,

(hereinafter referred to as the authorised person), to take over the management of the whole of the said industrial undertaking, subject to the following terms and conditions, namely :—

- (1) The authorised person shall comply with all the directions issued from time to time by the Central Government.
- (2) The authorised person shall hold office for a period of three years from the date of publication of this order in the Official Gazette.
- (3) The Central Government may terminate the appointment of the authorised person earlier if it considers it necessary to do so.

2. This Order shall have effect for a period of three years from the date of its publication in the Official Gazette.

[F. No. 20/15/76-Jute]

N. S. VAIDYANATHAN, Jt. Secy.